अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2015) | दिनांक 18.12.2015

चतुर्थ वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

आचार्य श्री कालूगणी – 35

प्र.1 किन्हीं पांच प्रश्नों का एक वाक्य में उत्तर दीजिए। 5

(क) कालूगणी के पितामह का नाम क्या था वे मूलतः कहाँ के निवासी थे?

(ख) बालक कालू में वैराग्य की भावना का विकास कब और किसकी प्रेरणा से हुआ?

(ग) कालूगणी माता छोगांजी से प्रथम बार मिले तो उन्हें क्या बख्शीश व सम्मान प्रदान किया?

(घ) सार कौमुदी की अष्टाध्यायी कौन से सन्तों को कहाँ मिली?

(ड.) हरियाणा में सर्वप्रथम तेरापंथ के कौन से आचार्य पधारे और उनके कितने वर्ष बाद कालूगणी का पदार्पण हुआ?

(च) सामाजिक झगड़े का नाम क्या था? उसका पुनर्जागरण कब और कहाँ हुआ?

(छ) चित्त समाधि का क्या तात्पर्य है?

प्र.2 किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए – 10

(क) कालूगणी भोजन में क्या–क्या लेते थे?

(ख) ''सव्वं से जाइयं होइ नत्थि किंचि अजाइयं'' इस उक्ति का क्या अर्थ है?

(ग) कालूगणी के शासनकाल में कौन–कौन सी साध्वियों ने सुन्दर हस्तलिपी की?

(घ) कालूगणी ने स्वप्न में ''सूखे वृक्ष को हरा–भरा होते हुए देखा'' उसकी उन्होंने क्या व्याख्या की?

(ङ) सामाजिक झगड़ा कितने वर्षों तक चला? उसको विधिवत समाप्त कब, कहाँ और किसके द्वारा किया गया?

(च) कालूगणी ने माता छोगांजी को संघ की कौन सी पद्धति के विषय में याद दिलाया?

(छ) कालूगणी ने संस्कृत टीकाओं के अध्ययन को आवश्यक क्यों बताया?

प्र.3 कोई एक प्रश्न का 100 से 150 शब्दों में उत्तर दीजिए – 6

(क) सिद्ध करें कि कालूगणी एक सुघड़ कुम्भकार के समान थे।

(ख) बीकानेर में कालूगणी की हत्या के षड़यंत्र पर टिप्पणी लिखें।

(ग) कालूगणी द्वारा युवाचार्य की नियुक्ति पर टिप्पणी लिखें।

प्र.4 सिद्ध करें कि कालूगणी के युग में तेरापंथ संघ की चतुर्मुखी प्रगति हुई। 14

''अथवा''

सिद्ध करें कि जयाचार्य द्वारा बीज वपन व मघवागणी द्वारा अंकुरित संस्कृत को विद्या का वट वृक्ष कालूगणी ने बनाया।

युगप्रधान आचार्य तुलसी – 35

प्र.5 किन्हीं नौ प्रश्नों का उत्तर एक वाक्य में दीजिए – 9

(क) मुनि तुलसी ने दीक्षा प्राप्त करने के तत्काल बाद कहाँ प्रस्थान किया? व कितने किलोमीटर की पद यात्रा की?

(ख) नारी उत्थान का कार्य कौन से समाज सुधारकों ने किया?

(ग) साहित्य सृजन की पहली शर्त क्या है?

(घ) आचार्य तुलसी ने किन–किन विषयों पर गीत लिखे?

(ङ) श्रावक समाज के लिए आचार्य तुलसी ने कौन सा ग्रन्थ लिखा?

(च) आचार्य तुलसी ने धर्म की क्या परिभाषा दी?
(छ) वर्ष 1947 में आचार्य तुलसी ने कौन सा नारा दिया?
(ज) अणुव्रत आन्दोलन के प्रारम्भ के बाद आचार्य तुलसी अपना परिचय कैसे देते थे?
(झ) अनुशासन वर्ष कब, कहाँ और किस संदर्भ में मनाया गया?
(ञ) वर्धमान ग्रन्थागार में कितनी पुस्तकें व पाण्डुलिपियाँ हैं?
(ट) ''अशान्त विश्व को शान्ति का संदेश'' यह संदेश आचार्य तुलसी ने कब और क्यों दिया?

प्र.6 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए – 5
(क) आचार्य तुलसी ने महाराष्ट्र व गुजरात की यात्रा कितनी बार व कब–कब की?
(ख) आचार्य तुलसी के प्रवचन की क्या विशेषताएँ थीं?
(ग) साहित्यकार जैनेन्द्र कुमार ने अरविन्द से ज्यादा गांधीजी को महत्त्व क्यों दिया?

प्र.7 किसी एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए। 6
(क) ''जैनविश्वभारती'' में संचालित गतिविधियों पर प्रकाश ड़ालें।
(ख) सिद्ध करें कि आचार्य तुलसी ने त्याग का महान आदर्श उपस्थित किया।
(ग) ''प्रधानमंत्री नेहरू के साथ मिलन'' पर प्रकाश ड़ालें।

प्र.8 सिद्ध करें कि आचार्य तुलसी महान् साहित्यकार होने के साथ–साथ साहित्यकारों के निर्माता भी थे। 15

''अथवा''

''आचार्य तुलसी ने छह दशकों तक अनवरत तेरापंथ के शिखर पर आरूढ़ होकर विकास के नये–नये क्षितिज उद्घाटित किये।'' इस कथन को सिद्ध करें।

तुलसी–प्रबोध – 21

प्र.9 किन्हीं दो पद्यों को भावार्थ सहित लिखें। 12
(क) एक बार.....उपसंहार हो।। (ख) श्रुत आराधन.....हुंशियार हो।।
(ग) ''राष्ट्रीय एकता परिषद के मानद सदस्य'' वाला पद्य। (घ) मास अषाढ़.....हकदार हो।।
(ङ) सबविध सक्षम.....शुक्रगुजार हो।।

प्र10 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें। 9
(क) खींवो चम्पो.....उधार हो।। (ख) बोली मां.....आर–पार हो।।
(ग) पो बिद.....विहार हो।। (घ) लाल कोटड़ी.....दरबार हो।।
(ङ) ''आगम सम्पादन की प्रेरणा'' वाला पद्य।

तेरापंथ प्रबोध – 9

प्र11 कोई तीन पद्य लिखें। 9
(क) करो हाट.....आचार हो।। (ख) पग–पग.....साभार हो।।
(ग) अर्हत आज्ञा.....कारोबार हो।। (घ) चम्मालीस.....सुप्यार हो।।
(ड.) ''मघवा गादीथर म्हारा'' गीत वाला पद्य।